भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 982

उत्तर देने की तारीख : 08 फरवरी, 2021

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन

982. श्री श्रीधर कोटागिरी :

डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती :

डॉ. अदला प्रभाकर रेड्डी :

श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी :

श्री संजय काका पाटील :

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी :

श्री टी.आर.वी.एस. रमेश :

डॉ. मनोज राजोरिया :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के अंतर्गत सांस्कृतिक मानचित्रण और उसकी रूपरेखा तैयार की थी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और 'भारत का सांस्कृतिक मानचित्रण' परियोजना का उद्देश्य क्या है;

(ग) आज की तिथि तक पंजीकृत कलाकारों की कुल संख्या कितनी है और इस परियोजना के अंतर्गत इन कलाकारों द्वारा प्राप्त किए गए लाभों की सूची क्या है;

(घ) क्या आंध्र प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी; और

(ड.) यदि हां, तो आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में मानचित्रित संस्कृतियों या गांवों का विवरण क्या है?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) : जी, हां।

(ख) : व्यापक स्तर पर, इस मिशन के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं जो निम्नानुसार हैं :

i. राष्ट्रीय सांस्कृतिक जागरूकता अभियान : हमारी संस्कृति हमारी पहचान अभियान अथवा हमारी संस्कृति हमारी पहचान

ii. राष्ट्रव्यापी कलाकार प्रतिभा खोज/स्काउटिंग कार्यक्रम : सांस्कृतिक प्रतिभा खोज अभियान

iii. राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यस्थल : सभी कला रूपों और कलाकारों को शामिल करते हुए सांस्कृतिक परिसंपत्तियों एवं संसाधनों के डाटा बेस और जनसांख्यिकी सहित केन्द्रीकृत ट्रांजेक्शनल वेब पोर्टल।

(ग) : लगभग 14.53 लाख कलाकारों और कारीगरों से संबंधित डाटा अतिरिक्त स्रोतों से प्राप्त किया गया है। यह डाटाबेस निश्चित लाभों के बिना, केवल कलाकारों की एक रजिस्ट्री है।

(घ) : उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक में एनएमसीएम ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(ड.) : प्रश्न नहीं उठता।

***